

कभी तो निकलो खुले आसमान के लिए, बंद महलों में घुटन है, ताजा हवा नहीं मिलती।

तेज नही, अंदाज नया

साप्ताहिक

उज्जैन

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा



डाक पंजीयन संख्या मालवा संभाग

L2/65/RNP/397/2024-26

टाइम्स

RNI No. 7583/61

Connect with Ujjain Times : www.ujjaintimes.in @UjjainTimes UjjainTimes UjjainTimes734 Channel : Ujjain Times

● वर्ष : 66, अंक : 45 ● उज्जैन, युगाब्ध-5128, विक्रम संवत् 2083 मंगलवार दिनांक 15-09-2026 से 21-09-2026 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

पारंपरिक चिकित्सा पर ब्रिक्स विशेषज्ञ कार्य समूह के गठन पर सहमति, नई दिल्ली घोषणा पत्र में मिला वैश्विक समर्थन

नई दिल्ली। देश में आयोजित हुए 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में स्वीकृत 'नई दिल्ली घोषणा पत्र' में पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा (टीसीआईएम) के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बड़ा बढ़ावा दिया गया है।

घोषणा पत्र में स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लक्ष्य को हासिल करने में टीसीआईएम की बढ़ती भूमिका को औपचारिक मान्यता दी गई है। साथ ही ब्रिक्स हेल्थ ट्रेक के तहत टीसीआईएम पर एक विशेष 'ब्रिक्स विशेषज्ञ कार्य समूह' (एक्सपर्ट वर्किंग ग्रुप) स्थापित करने के प्रस्ताव का स्वागत किया गया है।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने इस निर्णय को वैश्विक स्वास्थ्य के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली घोषणा पत्र में टीसीआईएम को मान्यता मिलना पारंपरिक चिकित्सा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में



मील का पत्थर है। प्रस्तावित विशेषज्ञ कार्य समूह सदस्य देशों के बीच ज्ञान साझा करने, अनुसंधान को बढ़ावा देने और साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करेगा। भारत वैज्ञानिक अनुसंधान, गुणवत्ता आश्वासन और वैश्विक साझेदारी के माध्यम से आयुर्वेद व अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि सुरक्षित, प्रभावी और किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित हो सके।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने बताया कि घोषणापत्र ब्रिक्स देशों के बीच टीसीआईएम पर

एक संरचित सहयोग की नींव रखता है। यह कार्य समूह साक्ष्य साझा करने, शोध साझेदारी बढ़ाने और विनियामक व गुणवत्ता मानकों को सुधारने में मददगार साबित होगा। भारत अपने आयुष इकोसिस्टम के जरिए वैज्ञानिक अनुसंधान और साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देकर इस सहयोग में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

घोषणा पत्र में उपचारात्मक और निवारक उद्देश्यों के लिए औषधीय पौधों और हर्बल उत्पादों पर केंद्रित अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया गया है। इसमें इस बात को रेखांकित किया गया कि ब्रिक्स देशों की पारंपरिक

जरिए इन पद्धतियों की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत इस वर्ष 21 जुलाई को चंडीगढ़ में पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा पर एक अहम बैठक आयोजित की गई थी। उस बैठक में विशेषज्ञ कार्य समूह की संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर सर्वसम्मति बनी थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा रणनीति 2025-2034 के परिप्रेक्ष्य में भी ब्रिक्स के इस कदम को पारंपरिक चिकित्सा के वैज्ञानिक एकीकरण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

UJJAIN TIMES-WEEK'S TOP

1. BRICS Summit-वैश्विक दक्षिण में भारत की बढ़ती भूमिका।
2. पश्चिम एशिया संकट-तेल, हॉर्मुज और वैश्विक व्यापार पर दबाव।
3. भारत की महंगाई-खुदरा दर 4.82%, थोक महंगाई 9.92%।
4. उज्जैन-खड़े हनुमान मंदिर पर विकास और आस्था का प्रश्न।
5. मध्य प्रदेश-मानसून की वापसी, लेकिन वर्षा में असमानता।

जब मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने गुनगुनाया-ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत

नई दिल्ली। राजधानी के भारत मंडपम में चल रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आये मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने हिंदी के सदाबहार गीतकार एवं गायक किशोर कुमार का एक गीत अपनी सुरीली आवाज में पेश कर महफिल में रंग भर दिया।

यह वीडियो वायरल होने के बाद हिंदी और भारतीय संगीत के प्रति उनके लगाव की जमकर तारीफ हो रही है।

भारत और मलेशिया के सदियों पुराने सांस्कृतिक रिश्ते को सुरों में पिरोता यह पल वाकई खास रहा। दिल्ली में फुरसत के कुछ पलों के दौरान उन्होंने फिल्म तीन देवियां के मशहूर गीत ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत... को गुनगुनाया। अनवर इब्राहिम ने भारतीय पियानो वादक के साथ यह गीत गाया और इसका वीडियो



सोशल मीडिया पर भी साझा किया।

इस सम्मेलन के पहले दिन नई दिल्ली घोषणा पत्र जारी से लेकर भारत-चीन के बीच अहम द्विपक्षीय बैठक हुई

थी। नई दिल्ली के भारत मंडपम में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 11 पूर्ण सदस्य देशों और 10 साझेदार (पार्टनर) देशों सहित कुल 21 देशों के नेता शामिल हुए।

समय से आगे
सत्य के साथ

हर खबर
समय पर

सत्य, निष्पक्ष
और विश्वसनीय

आपका शहर,
आपकी आवाज

Ujjain Times

Time is insurmountable - कालो हि दुरतिक्रमः !

मूल्य-वर्धित जानकारी

गहराई से
विश्लेषण

घटनाओं के पीछे की
वास्तविकता को
तथ्यों और आंकड़ों
के साथ समझें।

डेटा आधारित
रिपोर्ट

सटीक डेटा, ग्राफ और
तुलनात्मक जानकारी
के साथ भर्त्सनीय
निर्णय।

विचार और
दृष्टिकोण

विशेषज्ञों की राय,
संवादात्मक लेख और
समाज को दिशा देने
वाले विचार।

तथ्य-जांच और
सत्यापन

हर खबर की तथ्य-जांच
कर, केवल सत्य
और प्रामाणिक जानकारी
ही साझा।

स्थानीय से
वैश्विक तक

उज्जैन और आसपास
की खबरों से लेकर
राष्ट्रीय और वैश्विक
परिप्रेक्ष्य तक।

मल्टीमीडिया
अनुभव

आकर्षक वीडियो,
इन्फोग्राफिक्स और
विजुअल स्टोरीज के
माध्यम से जानकारी।

हम आपको क्यों बेहतर जानकारी देते हैं?

अधिक गहराई

सिर्फ खबर नहीं,
बल्कि पूर्ण समझ

पूर्ण विश्वसनीयता

स्रोतों की जांच के बाद
ही प्रकाशित

आपके लिए, आपके साथ

आपकी राय, आपके मुद्दे,
हमारी प्राथमिकता

ज्ञान जो बनाये

बेहतर निर्णय में मददगार
और समय की बचत

JOIN OUR COMMUNITY

ACROSS ALL PLATFORMS

Twitter (X)

@UJJAINTIMES

ताजा अपडेट और
त्विति जानकारी

Facebook

@UJJAINTIMES

विस्तृत खबरें और
समुदाय की आवाज

LinkedIn

@UJJAINTIMES

विश्लेषणात्मक लेख और
पेशेवर दृष्टिकोण

WhatsApp

@UJJAINTIMES

महत्वपूर्ण अपडेट सीधे
आपके मोबाइल पर

Media / News Company

स्थानीय से वैश्विक तक
हर खबर, हर विषय

हमारी वेबसाइट पर आएं

गहराई से पढ़ें, समझें और
सटीक जानकारी प्राप्त करें

मूल्य-वर्धित जानकारी के साथ, सही समय पर सही खबर !

© Ujjain Times | www.ujjaintimes.in | Time is insurmountable - कालो हि दुरतिक्रमः !

सम्पादक की कलम से..... सम्पादकीय

भारत के लिए मंच, मंजिल नहीं

नई दिल्ली शिखर सम्मेलन ने दिखाया कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की ताकत किसी एक खेमे में खड़े होने में नहीं, बल्कि अलग-अलग शक्ति केंद्रों के बीच संवाद और संतुलन बनाने में है। नई दिल्ली में आयोजित 18वां BRICS शिखर सम्मेलन केवल आर्थिक सहयोग का सम्मेलन नहीं था। 11 सदस्यीय विस्तारित समूह के इस सम्मेलन में वैश्विक शासन, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और विकासशील देशों की भूमिका जैसे विषयों के साथ-साथ पश्चिम एशिया के युद्ध और बदलते भू-राजनीतिक समीकरण भी प्रमुख रहे। भारत के लिए यह सम्मेलन इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि दुनिया के कई परस्पर प्रतिस्पर्धी शक्ति केंद्र एक ही मंच पर नई दिल्ली में मौजूद थे।

इस सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक संकेत चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सात साल बाद भारत यात्रा रही। 2019 के बाद पहली बार भारत आए शी जिनपिंग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के रिश्तों में पैदा हुए अविश्वास के बावजूद हाल के वर्षों में सीमित स्थिरता और संवाद की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। ऐसे समय में शी की नई दिल्ली यात्रा केवल BRICS की औपचारिकता नहीं, बल्कि भारत-चीन संबंधों को नियंत्रित तनाव से संवाद की ओर ले जाने की संभावित कोशिश भी है। हालांकि इसे संबंधों में किसी बड़े बदलाव की घोषणा

मानना जल्दबाजी होगी। सीमा विवाद, व्यापार असंतुलन, रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और चीन-पाकिस्तान संबंध जैसे मुद्दे अभी भी मौजूद हैं। लेकिन कूटनीति का पहला नियम यही है कि प्रतिस्पर्धा के बीच संवाद के रास्ते खुले रहें। भारत ने इस सम्मेलन के जरिए यही रास्ता खुला रखा है।

BRICS का एक और महत्वपूर्ण पहलू ईरान और संयुक्त अरब अमीरात की मौजूदगी रही। पश्चिम एशिया में मौजूदा संघर्ष और गहरे क्षेत्रीय तनाव के बीच दोनों देशों का एक ही मंच पर संयम और कूटनीति की भाषा वाले संयुक्त वक्तव्य का समर्थन करना उल्लेखनीय है। नई दिल्ली में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच बातचीत भी हुई।

यह किसी बड़े समझौते का प्रमाण नहीं है, लेकिन संवाद की संभावना बनाए रखने वाला महत्वपूर्ण संकेत जरूर है।

यहीं भारत की भूमिका विशेष बनती है। भारत के ईरान के साथ ऐतिहासिक और

रणनीतिक संबंध हैं, वहीं UAE भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है। दोनों के साथ संवाद बनाए रखना भारत की उस विदेश नीति को दिखाता है जिसमें किसी एक पक्ष का चयन करने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर सभी महत्वपूर्ण पक्षों से संबंध बनाए रखने को प्राथमिकता दी जाती है।

BRICS में रूस भी है, चीन भी है, ईरान भी है और U UAE भी। दूसरी ओर अमेरिका और यूरोप भारत के व्यापार, तकनीक, निवेश और सुरक्षा संबंधों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसलिए भारत के लिए BRICS को किसी पश्चिम-विरोधी या किसी एक शक्ति के नेतृत्व वाले गुट के रूप में देखना उसके अपने रणनीतिक हितों को सीमित करना होगा।

भारत की वास्तविक ताकत रणनीतिक स्वायत्तता में है। BRICS भारत को वैश्विक दक्षिण की आवाज उठाने, विकास वित्त, ऊर्जा सुरक्षा, स्थानीय मुद्दों में व्यापार, तकनीकी सहयोग और वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे मुद्दों को आगे बढ़ाने का मंच देता है। लेकिन

इसकी सफलता घोषणाओं से नहीं, बल्कि ठोस परिणामों से तय होगी। क्या व्यापार आसान होगा? क्या नई वित्तीय व्यवस्थाएं वास्तव में काम करेंगी? क्या AI और तकनीकी सहयोग साझा परियोजनाओं में बदलेगा? और क्या इतने अलग-अलग हितों वाले देश कठिन संकटों में साझा रास्ता खोज पाएंगे?

यही BRICS की असली परीक्षा है। भारत के लिए नई दिल्ली सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यह नहीं कि उसने किसी एक देश को अपने पक्ष में किया, बल्कि यह है कि भारत ने अलग-अलग धुवों को एक ही मंच पर संवाद के लिए साथ लाने की अपनी क्षमता दिखाई।

शी जिनपिंग का भारत आना, ईरान और UAE का एक ही मंच पर कूटनीतिक संयम की दिशा में साथ आना, रूस के साथ भारत की निरंतर साझेदारी और पश्चिमी देशों के साथ समानांतर संबंध ये सभी एक ही तस्वीर के अलग-अलग हिस्से हैं।

भारत किसी शक्ति-गुट का अनुयायी नहीं है। भारत अपने हितों का संरक्षक और संवाद का सेतु बनना चाहता है।

BRICS भारत की विदेश नीति की मंजिल नहीं है।

यह उस बदलती विश्व व्यवस्था को प्रभावित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है, जिसमें भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि एक निर्णायक पक्ष बनना चाहता है।

मध्यप्रदेश हिन्दी में एमबीबीएस की पढ़ाई प्रारंभ करने वाला देश का पहला राज्य

भोपाल। स्टीफन स्पेंडर की तरह कहें तो सर्जना के स्तर पर भाषा, अपनी भाषा एक आध्यात्मिक गतिविधि है या टालसटाय के शब्दों में यहाँ आध्यात्मिक सक्रियता के स्रोत प्रवाहित होते हैं या मुक्तिबोध के शब्दों में 'स्व' से ऊपर उठना, अन्य के मर्म में प्रवेश करना मनुष्यता का सबसे बड़ा लक्षण है। और यह लक्षण हिन्दी में शब्द बनते ही दिखाई देने लगता है। आकार, अक्षर और ध्वनि का एकाकार जिस भाषा में हुआ वह सिर्फ हिन्दी है।

इसलिए मैं गिलक्राइस्ट जैसे लोगों का सख्त विरोधी हूँ जो हिन्दी को गंवारू और हिन्दुओं की भाषा कहता था। 'गार्सा-द-तासी' ने लिखा था हिन्दी में हिन्दू धर्म का आभास है। इसलिए यदि हिन्दी के लोकवृत्त को समझना हो तो भक्ति आंदोलन को समझना जरूरी है। जब कबीर कहते हैं 'कबीरा खड़ा बाज़ार में, लिए लुकाठी हाथ' तो वो बाज़ार का नहीं उसकी माया का विरोध कर रहे हैं या विद्यापति की उम्मीद 'बिपत अपत तरु पाओल रे पुन नव नव पात'। यह हिन्दी का संदेश है कि जो पत्ते सूख गए हैं तो उनमें फिर नए पत्ते आएंगे। हमारे देश में उदारवाद के पगचिन्ह भक्तिकाल में साफ-साफ दिखाई देते हैं। आखिर मथुरा में आचार्य वल्लभ पहुंचे, चैतन्य पहुंचे और इन सभी ने सामुदायिक खाइयों को पाटने का काम किया।

हिन्दी की पाचनशक्ति अद्भुत है। इसमें दुनियाभर की भाषाओं के शब्द हैं और वे अतिथि शब्द नहीं हैं बल्कि आत्मसात कर लिए गए शब्द हैं। ऐसा दुनिया की कोई भाषा नहीं कर सकती।

अंग्रेजी भी नहीं जिसकी सर्वाधिक दुगुनी हमारे देश में पीटी जाती है। अंग्रेजी से पहले वहाँ लैटिन और ग्रीक बोली जाती थी यही अभिजात्य वर्ग की भाषा थी। अंग्रेजी उस समय अभिजात्यों की नहीं हाशिए पर जी रहे गरीबों और मजदूरों की भाषा थी।

उनके शब्द लिए गए मगर अंग्रेजी उन्हें आत्मसात नहीं कर पायी। जैसे जॉन कीट्स की एक कविता का शीर्षक है -ला बेले डेम सैंस मर्सी यानि एक दयाहीन सुंदर महिला यह शीर्षक 15वीं शताब्दी

का है। अंग्रेजी में यह कविता बेहद चर्चित है, जिसमें एक परी शूखीर को सम्मोहित करके अप्रिय भाग्य का श्राप देती है।

हिन्दी सिर्फ एक भाषा ही नहीं भारत की संस्कृति है। यह उदार और निर्माणात्मक में सुन भर लीजिए तो हिन्दी स्मृति में बसने लगती है।

हमारे यशस्वी और श्रद्धेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पंक्तियां हैं- आसमान में सिर उठाकर, घने बादलों को चीरकर, रोशनी का संकल्प लें, अभी तो सूरज उगा है।

हिंदी का इस्तेमाल हिंदी का सम्मान नहीं!

जब जरूरत हो - हिंदी हमारी, जब काम हो जाए - हिंदी बेचारी!

हिंदी याद कब आती है?

- जब बाजार चाहिए
- जब वोट चाहिए
- जब दर्शक चाहिए
- जब विज्ञापन बेचना हो
- जब जनता तक पहुंचना हो

हिंदी के नाम की मलाई
उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम सभी खाते हैं,
पर सम्मान देने की बात आती है

लेकिन सम्मान कब?

- कभी पिछड़ी
- कभी विभाजनकारी
- कभी 'खिचड़ी'
- कभी सेवकों की भाषा

हिंदी का दोहन बंद करो, सम्मान करना सीखो!
हिंदी का सम्मान किसी दूसरी भाषा का अपमान नहीं है!
यह भारत की आत्मा का सम्मान है!

जब तक यह देश है, जब तक यह समाज है, हिंदी कण-कण में विद्यमान रहेगी!

Ujjain Times - Manmohan Sharma - Hindi Diwas Special - 14 सितंबर

पश्चिम एशिया संकट से तेल और वैश्विक शिपिंग पर दबाव

हॉर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति ने ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ाई। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच हॉर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही को लेकर जोखिम बढ़ा है। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचीं। यह मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक व्यवधान रहने पर तेल कीमतों, समुद्री परिवहन लागत और वैश्विक महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है।

उज्जैन टाइम्स

समय की नगरी से...

Past Present Future

जहाँ समय की शुरुआत होती है...

प्राचीन भारत का समय केंद्र

खगोल विज्ञान की धुरी

सूर्य और काल का संगम

महाकाल की नगरी

समय से जुड़ी हर खबर... सबसे पहले

UJJAIN TIMES

Stay Ahead. Stay Informed.

www.ujjaintimes.in

गणेश चतुर्थी पर गणेश स्वरूप में सजे बाबा महाकाल

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार तड़के भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का गणेश चतुर्थी के अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के पट सुबह चार बजे खुले। पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित देवी-देवताओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शहद, शक्कर और फलों के रस से तैयार पंचामृत से अभिषेक-पूजन किया गया।

गणेश चतुर्थी पर बाबा महाकाल को रजत आभूषण धारण कराए गए। भांग और चंदन से लेपन कर त्रिपुंड लगाया गया। इसके बाद भगवान का गणेश स्वरूप में आकर्षक श्रृंगार किया गया। मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्पों के साथ रुद्राक्ष और पुष्प मालाओं से बाबा

का अलंकरण किया गया। भस्म अर्पण से पहले प्रथम घंटाल बजाकर मंत्रोच्चार के



बीच भगवान का ध्यान किया गया। हरिओम का जल अर्पित करने के बाद कपूर आरती हुई। इसके पश्चात ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढंकर भस्म अर्पित की गई। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। भस्म

आरती के बाद बाबा को शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुण्डमाला और रुद्राक्ष की माला धारण कराई गई।

भस्म आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। बाबा महाकाल के गणेश स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया। भगवान को फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। श्रद्धालुओं ने नंदी महाराज के दर्शन किए और उनके कान में अपनी मनोकामना कही। इस दौरान मंदिर परिसर बाबा महाकाल के जयकारों से गूंजता रहा।

महाकाल मंदिर की परंपरा में भस्म आरती का विशेष महत्व है। मान्यता है कि भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते हैं। इसी आस्था के साथ श्रद्धालु भस्म आरती में शामिल होकर बाबा के दर्शन करते हैं।

आठवें दिन नवकार आराधना में सजावट और पुरस्कारों का संगम

उज्जैन। दानीगेट स्थित अवंती पार्श्वनाथ मंदिर में जैन यूनिटी फोरम इंटरनेशनल शाखा उज्जैन अरिहंत एवं मुस्कान द्वारा लगातार 18वें वर्ष से आयोजित नौ दिवसीय नवकार जाप एवं धार्मिक आराधना श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी है। आराधना के आठवें दिन सैकड़ों आराधकों ने नवकार जाप, पारस इकतीसा, भक्तामर पाठ एवं चैत्यवंदन में सहभागिता की। इसी दौरान दादा अवंती

परिवार की ओर से प्रदान की गई।

बंपर ड्रॉ अभय जैन एवं जितेंद्र जैन को प्राप्त हुई। मंडल की लकी गिफ्ट मनोजकुमार-सीमा दुग्गड़ परिवार की ओर से प्रदान की गई। प्रथम आने वाले



पार्श्वनाथ भगवान। विशेष साज-सज्जा से सजे आराधना परिसर में भगवान के जयकारों और धार्मिक स्तुतियों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा।

जैन यूनिटी फोरम इंटरनेशनल के संस्थापक अध्यक्ष मनोज सुराणा की सतत प्रेरणा से आयोजित इस आराधना में अवंती कल्याण मंडल 1 जैन यूनिटी फोरम महिला विंग के सदस्यों ने भी सहभागिता की। मंडलों की उपस्थिति से आयोजन में विशेष उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान आराधकों के लिए विभिन्न पुरस्कार एवं प्रभावना रखी गई आभा जी राकेश जी बाठिया दूसरा गिफ्ट प्रमोद चंचल पटवा की ओर से प्रदान किया गया। चांदी का सिक्का आभा जी द्वारा दिया गया नौ गिफ्ट महाकाल हैण्डलूम अर्पित काला परिवार की ओर से तथा प्रभावना नवीन शीतल कोठारी

आराधक को मनोज-अंजू ऐश्वर्य माधुर्य सुराणा परिवार की ओर से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अवंती मूर्तिपूजक मारवाड़ी ट्रस्ट मंडल की ओर से आराधना मंडल का बहुमान किया गया। कार्यक्रम में मनोज-अंजू सुराणा, धर्मेन्द्र साधना जैन अंकित अमीषा जैन महेश मधु घूघरिया अनिल तारा जैन लोकेश ईना सालेचा, ऐश्वर्य सुराणा, संतोष तारा सालेचा प्रदीप किरण नाहटा अशोक दर्डा संजय नीलू गिरिया नितेश जया नाहटा जिनेश वर्षा सराफ अल्पेश दुग्गड़ ललित मनीषा कोठारी प्रमोद पटवा वीरेंद्र गोलेछा जितेंद्र ज्योति सालेचा नवीन शीतल कोठारी पीयूष ज्योति चोरड़िया सुहानी नाहटा दिव्यांशी कोठारी ईशा जैन वैभव जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। जानकारी संयोजक अंजू मनोज सुराणा ने दी।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को होगा भव्य दीपोत्सव

उज्जैन। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आगामी 17 सितंबर, गुरुवार को शाम 7 बजे उज्जैन में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जन भागीदारी से

आयोजित होने वाले इस दीपोत्सव में शिप्रा तट के विभिन्न घाटों एवं श्री महाकाल महालोक कॉरिडोर क्षेत्र में 25 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। लाखों दीपों की रोशनी से शिप्रा तट आध्यात्मिक, भव्य एवं आकर्षक स्वरूप में जगमगाएगा। आयोजन को

व्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए नगर निगम, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने नगर निगम, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ कार्तिक मेला प्रांगण में चल रही दीपोत्सव की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम की टीम द्वारा दीपों की धुलाई, छंटाई, मोमबत्तियों को किमची से बांधने तथा दीपों को निर्धारित बॉक्स में पैक करने का कार्य देखा गया। प्रत्येक ब्लॉक में निर्धारित संख्या के अनुसार दीपों की व्यवस्था की जा रही है, ताकि आयोजन स्थल पर दीप प्रज्वलन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

एक ब्लॉक में 225 दीप लगाए जाएंगे। इसी के अनुरूप प्रत्येक सब-सेक्टर में दीप, मोमबत्ती, माचिस, किमची, कपूर, तेल सहित अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। मौके पर जानकारी दी गई कि दीपोत्सव की व्यापक व्यवस्थाओं को दृष्टिगत रखते हुए पूरे आयोजन क्षेत्र को 7 प्रमुख सेक्टर एवं 250 सब-सेक्टर में विभाजित किया गया है। लगभग 11 हजार ब्लॉक तैयार किए

जा रहे हैं तथा प्रत्येक ब्लॉक में 225 दीप लगाए जाएंगे। दीप प्रज्वलन के लिए प्रत्येक ब्लॉक पर दो-दो वॉलंटियर्स की तैनाती की जाएगी। इस प्रकार करीब 25

हजार वॉलंटियर्स जन भागीदारी के माध्यम से दीपोत्सव को सफल बनाने में सहयोग करेंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दीपोत्सव से संबंधित सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर ली जाएं। निर्धारित घाटों पर विशेष सफाई अभियान चलाकर फायर फाइटर के माध्यम से घाटों की धुलाई, सफाई तथा दीप लगाने के लिए निर्धारित ब्लॉकों के निर्माण एवं मार्किंग का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांश कूमट, स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती नेहा जैन, उप मेला अधिकारी श्री संदीप सिंह, अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 25 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित कर भव्य दीपोत्सव की तैयारी की जा रही है। आयोजन को पूरी तरह जन भागीदारी के माध्यम से किया जा रहा है। शहर की

सामाजिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न संगठनों के साथ लगातार बैठकें कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह जन भागीदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण होगा। उन्होंने बताया कि दीपोत्सव शिप्रा नदी के विभिन्न घाटों के साथ श्री महाकाल महालोक कॉरिडोर क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। उज्जैन में पूर्व में भी लाखों दीप प्रज्वलित कर दो कीर्तिमान स्थापित किए जा चुके हैं। इस बार 25 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित करने का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि दीपोत्सव की तैयारियों में बड़ी संख्या में महिला वॉलंटियर्स भी सहभागिता कर रही हैं। इनके द्वारा दीपों की बाती तैयार करने, दीपकों को व्यवस्थित करने तथा दीप प्रज्वलन के लिए आवश्यक सामग्री तैयार करने का कार्य किया जा रहा है। शहर का प्रत्येक नागरिक इस आयोजन में सहभागिता कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह सेवा संकल्प अभियान है और इसमें जनभागीदारी ही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। आयोजन में मंदिर की ओर से किसी प्रकार का व्यय शामिल नहीं है।

दीपोत्सव की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए आयोजन क्षेत्र को 7 प्रमुख सेक्टरों में विभाजित किया गया है। इनमें केदारेश्वर घाट से दत्त अखाड़ा होते हुए गुरु नानक घाट तक, सुनहरी घाट से रामघाट होते हुए नरसिंह घाट ब्रिज तक, नरसिंह घाट ब्रिज से कर्कराज मंदिर तक, माली कैफे से भूखी माता तक, भूखी माता से लालपुल तक, लालपुल से गऊघाट तक और कर्कराज मंदिर से लालपुल तक सातों सेक्टरों को आगे 250 सब-सेक्टरों में विभाजित किया गया है।



लाल सागर क्षेत्र में तनाव से व्यापार मार्ग प्रभावित

यमन और आसपास के क्षेत्र में संघर्ष ने समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ाईं। लाल सागर और बाब-अल-मंदेब क्षेत्र में जारी तनाव ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा को फिर चर्चा में ला दिया है। इस मार्ग से एशिया और यूरोप के बीच बड़ी मात्रा में व्यापार होता है। सुरक्षा जोखिम बढ़ने पर जहाजों को लंबे वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ सकते हैं। इससे परिवहन समय, बीमा लागत और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की संभावना है।

UJJAIN TIMES

Time is insurmountable - कालो हि दुरतिक्रमः !
महत्वपूर्ण खबरों के बारे में एक सम्यक दृष्टिकोण..
तेवर वही.. अंदाज़ नया!

JOIN OUR COMMUNITY ACROSS ALL PLATFORMS

Twitter:
@UJJAINTIMES

Facebook:
@UJJAINTIMES

LinkedIn:
@UJJAINTIMES

WhatsApp:
@UJJAINTIMES

Media/news company

www.ujjaintimes.in

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रज्ज्वलित विकास के दीपक का प्रकाश फैल रहा है देशभर में-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रज्ज्वलित विकास के दीपक का प्रकाश देशभर में फैल रहा है। यह श्री मोदी के सेवा और जिम्मेदारी के 25 वर्षों के उजास का प्रतीक है। प्रदेश में सेवा-संकल्प अभियान 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक संचालित होगा। प्रदेशवासी प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर को बड़ी संख्या में दीप प्रज्ज्वलित कर उनके प्रति आभार प्रदर्शित करेंगे, हमारा प्रयास हो कि इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन का विश्व रिकॉर्ड कायम हो। सेवा संकल्प अभियान का आयोजन ग्राम और नगर स्तर पर अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए उत्साह पूर्वक किया जाये। सभी कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर प्रभावी मॉनीटरिंग हो। विभिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्था के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही

जनप्रतिनिधियों से भी बेहतर समन्वय और सभी संबंधितों की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री

तैयारियों की समत्व भवन में समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र

परमार और राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल वर्चुअली शामिल हुए। समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई बैठक में मुख्य

समस्त संभागायुक्त तथा जिला कलेक्टर वर्चुअली जुड़े।

सेवा-संकल्प अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम अंतर्गत प्रदेश में दीप प्रज्ज्वलन के साथ होगी। उज्जैन के महाकाल महालोक सहित प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड में शाम 7 बजे एकसाथ दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उज्जैन से कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। प्रदेश के सभी लाभार्थी परिवारों और संस्थाओं को दीप प्रज्ज्वलन में शामिल किया जाए। इसी दिन सभी स्वास्थ्य केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों में रक्तदान शिविर आयोजित होंगे। बैठक में रक्त संग्रह, परिवहन और संग्रहण के लिए आवश्यक व्यवस्था के भी निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम के राज्य प्रभारी, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय होंगे।



डॉ. यादव ने कहा कि सेवा के रंग-राष्ट्र के संग कार्यक्रम के अंतर्गत जबलपुर में ह्युमन रंगोली का राज्य स्तरीय आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान की प्रदेश में जारी

शुक्ल, मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, मंत्री श्री राकेश सिंह, मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, मंत्री श्री विश्वास सारंग, श्री नागर सिंह चौहान, मंत्री श्री राकेश शुक्ला, मंत्री श्री इन्दर सिंह

सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, श्री केसी गुप्ता, श्री संजय दुबे, श्री अनुपम राजन, श्री संजय शुक्ला, श्री शिवशेखर शुक्ला तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक से

दताना-मताना में प्रदेश के 10वें एयरपोर्ट का विकास जारी, 1800 मीटर रनवे से होगी शुरुआत, भविष्य में 2700 मीटर तक होगा विस्तार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत उज्जैन में अधोसंरचना विकास के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और अन्य यात्रियों के सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए दताना-मताना स्थित हवाई पट्टी को एयरपोर्ट के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह मध्यप्रदेश का 10वां एयरपोर्ट होगा। सिंहस्थ-2028 से पूर्व इसके निर्माण को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। दताना-मताना हवाई पट्टी का विकास केंद्र सरकार की आरसीएस-उड़ान 5.2 योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। इसके लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और राज्य सरकार के बीच एमओयू निष्पादित हो चुका है। परियोजना के लिए लगभग 120 एकड़ शासकीय भूमि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को हस्तांतरित की जा चुकी है। दताना-मताना में वर्तमान हवाई पट्टी को 1800 मीटर रनवे के लिए विकसित किया जा रहा है।

भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रनवे की लंबाई 27 मीटर तक बढ़ाये जाने की योजना है। इससे उज्जैन के लिए हवाई सेवाओं के विस्तार की संभावनाएं बढ़ेंगी और विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों के यात्रा समय में कमी आएगी।

सिंहस्थ-2028 उज्जैन के लिए देश और दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक होगा। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में दताना-मताना एयरपोर्ट का विकास सिंहस्थ की तैयारियों की महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक कड़ी है। एयरपोर्ट के माध्यम से उज्जैन तक हवाई मार्ग से पहुंचना अधिक सुगम होगा, जिससे बड़े आयोजन के दौरान यात्रियों को आवागमन का एक अतिरिक्त और सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध होगा। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन देश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन केंद्रों में शामिल है। एयरपोर्ट के विकास से वर्षभर देश के विभिन्न हिस्सों से उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं और

पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ व्यापार, स्थानीय परिवहन, होटल, खान-पान और अन्य सेवा क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।

मध्यप्रदेश में हवाई अधोसंरचना के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। वर्ष 2023-24 में प्रदेश में इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और खजुराहो सहित 5 प्रमुख एयरपोर्ट संचालित थे। वर्ष 2024-25 में रीवा, दतिया और सतना को जोड़ने के बाद इनकी संख्या 8 हो गई। इसके बाद शिवपुरी में नए एयरपोर्ट के विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और दताना-मताना में एयरपोर्ट का विकास पूरा होने पर मध्यप्रदेश को अपना 10वां एयरपोर्ट प्राप्त होगा।

केंद्र सरकार द्वारा मध्यप्रदेश में 5 नए एयरपोर्ट के विकास को भी मंजूरी दी गई है। प्रदेश में हवाई अधोसंरचना के विस्तार के लिए व्यापक स्तर पर प्रस्तावित कार्यों से आने वाले समय में विभिन्न क्षेत्रों को बेहतर हवाई संपर्क से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा।

मध्यप्रदेश पुलिस की मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध प्रदेश में लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। विगत दो दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस द्वारा कार्यवाही कर अफीम, एमडी ड्रग्स, डोडाचूरा एवं गांजा सहित लगभग 113 किलो 870 ग्राम अवैध मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। जब्त मादक पदार्थों की कुल अनुमानित कीमत 54 लाख रुपये से अधिक है। थाना भानपुरा पुलिस ने दुधाखेड़ी माताजी मंदिर के पास बायपास तिराहा पर कार्रवाई करते हुए दो व्यक्तियों



को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 6 किलो 82 ग्राम अफीम, जिसकी अनुमानित कीमत 12 लाख रुपये है, जब्त की गई। एक अन्य कार्यवाही में थाना अफजलपुर पुलिस ने पलवई फंटे पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपियों को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 260 ग्राम

एमडी ड्रग्स, कीमत 26 लाख रुपये, तथा 5 किलो 150 ग्राम डोडाचूरा, कीमत 10 हजार रुपये, जब्त किया गया। मंदसौर जिले में की गई इन दोनों कार्रवाइयों में कुल 11 किलो 492 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया, जिसकी कुल कीमत 38 लाख रुपये है। थाना लांजी पुलिस ने गांजा तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 27 किलो 378 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रुपये है, जब्त किया गया।

रूस-यूक्रेन युद्ध में ऊर्जा ढांचे पर हमले जारी

ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों का असर क्षेत्रीय बाजारों तक पहुंच रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के दौरान दोनों पक्षों की ऊर्जा अवसंरचना लगातार महत्वपूर्ण निशाना बनी हुई है। तेल शोधन और ईंधन आपूर्ति से जुड़े व्यवधानों का असर क्षेत्रीय बाजारों में दिखाई दे रहा है। ऊर्जा क्षेत्र में अस्थिरता ऐसे समय बनी हुई है जब पश्चिमी एशिया में भी आपूर्ति संबंधी जोखिम बढ़े हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार की अनिश्चितता और बढ़ सकती है।

म.प्र. में मानसून फिर सक्रिय, कई जिलों में भारी बारिश

कुछ दिनों के विराम के बाद राज्य में बारिश की गतिविधियां बढ़ीं। मध्य प्रदेश में तीन से चार दिनों के विराम के बाद मानसून फिर सक्रिय हुआ। मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की। पश्चिम मध्य प्रदेश के साथ इंदौर और उज्जैन संभाग में भी बारिश की गतिविधियां बढ़ीं। लगातार बारिश वाले क्षेत्रों में जलभराव और स्थानीय यातायात पर असर की संभावना बनी रही। मौसम विभाग ने नागरिकों से स्थानीय चेतावनियों और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने की अपील की।

कालो हि दुरतिक्रमः!

उज्जैन टाइम्स

आपकी खबर, आपकी आवाज

महत्वपूर्ण खबरों के बारे में एक सम्यक दृष्टिकोण

तेवर वही.. अंदाज़ नया!

Time is insurmountable —

कालो हि दुरतिक्रमः!

- प्राचीन भारत का समय केंद्र
- खगोल विज्ञान की धुरी
- सूर्य और काल का संगम
- महाकाल की नगरी

UJJAIN TIMES

Stay Ahead. Stay Informed.

JOIN OUR COMMUNITY ACROSS ALL PLATFORMS

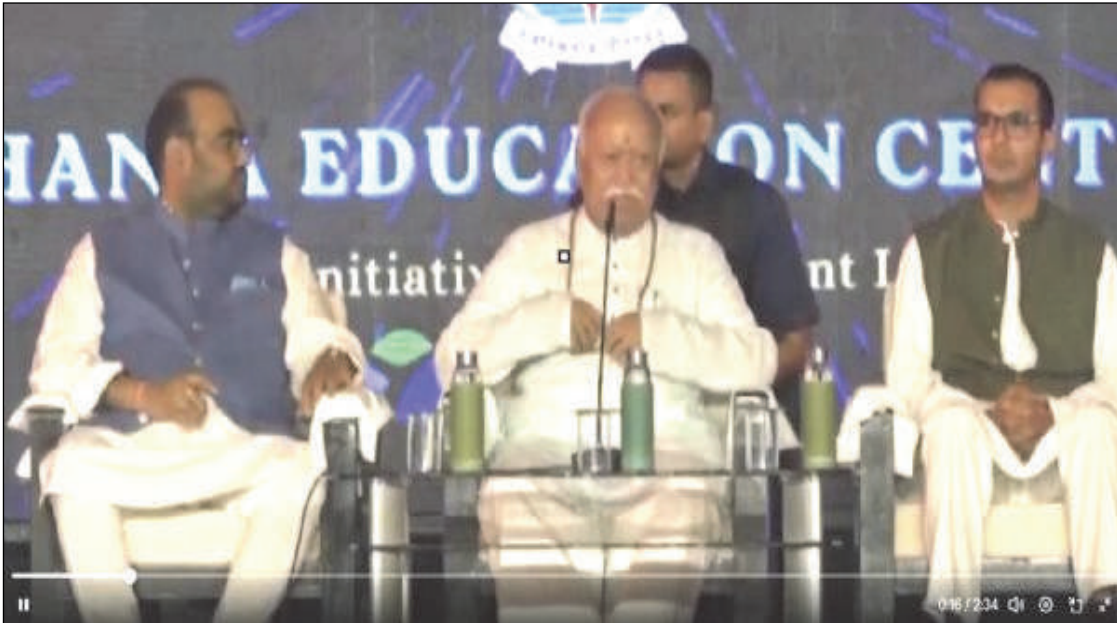
Twitter: @UJJAINTIMES Facebook: @UJJAINTIMES LinkedIn: @UJJAINTIMES WhatsApp: @UJJAINTIMES

Media/news company www.ujjaintimes.in

+91 98272 33734 ujjaintimes@gmail.com www.ujjaintimes.in

सही खबर • सही समय पर • सही मंच पर • उज्जैन का अपना न्यूज प्लेटफॉर्म

शिक्षा केवल आजीविका का साधन नहीं, मनुष्य निर्माण का माध्यम-डॉ मोहन भागवत



नागौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका अर्जित करना नहीं, बल्कि मनुष्य को श्रेष्ठ, समर्थ और संवेदनशील बनाना है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज और सृष्टि के पोषण के लिए भी उपयोगी होना चाहिए।

डॉ भागवत शनिवार को नागौर जिले के गोटेन स्थित एल.के. सिंघानिया एजुकेशन सेंटर के 37वें वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह 'स्वराज' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यालयीन शिक्षा के साथ परिवार, परिवेश और समाज से मिलने वाले संस्कार भी विद्यार्थी के व्यक्तित्व और आचरण की नींव तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि आहार, निद्रा, भय और मैथुन जैसी प्रवृत्तियां पशुओं में भी होती हैं, लेकिन प्रकृति ने मनुष्य को विवेक और विचार करने की शक्ति प्रदान की है। इसी शक्ति के आधार पर मनुष्य 'नर' से

नारायण' बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। सद्विचार से प्रेरित कर्म मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाते हैं, जबकि गलत विचार और आचरण पतन का कारण बनते हैं।

सरसंघचालक ने सत्य और सामर्थ्य के संबंध पर कहा कि शक्ति के अभाव में सत्य भी प्रभावहीन हो जाता है। व्यक्ति से लेकर राष्ट्र तक शरीर, मन, बुद्धि और ज्ञान का सामर्थ्य आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत का आर्थिक और सामरिक सामर्थ्य मजबूत होने के कारण आज विश्व भारत के विचारों और ज्ञान को गंभीरता से सुन रहा है।

जीवन के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि केवल सफल होना पर्याप्त नहीं है। जीवन का सार्थक होना अधिक महत्वपूर्ण है। सफलता और असफलता प्रयासों के साथ प्रारब्ध पर भी निर्भर कर सकती है, लेकिन परमार्थ की भावना से किया गया कर्म व्यक्ति को स्थायी सम्मान दिलाता है। इतिहास उन्हीं लोगों को याद करता है, जिन्होंने समाज और राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। इनमें दानवीर भामाशाह, भगवान

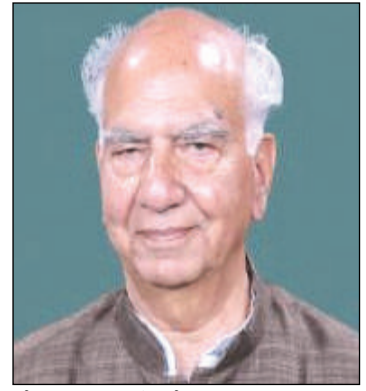
श्रीराम, स्वामी विवेकानंद और देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारी शामिल हैं।

उन्होंने शिक्षा में पंचकोशों के विकास पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा केवल बौद्धिक और वैज्ञानिक विषयों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। कला, संगीत, खेल और योग भी सर्वांगीण शिक्षा के आवश्यक अंग हैं। उन्होंने कहा कि कबड्डी जैसे खेल विद्यार्थियों को हार न मानने और गिरने के बाद फिर उठ खड़े होने की सीख देते हैं। इसी तरह वाद्यवृंद और संगीत मन, बुद्धि तथा शरीर के समन्वय के साथ सामूहिक चेतना का विकास करते हैं।

डॉ. भागवत ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल उपाधि देने के केंद्र न बनें, बल्कि मनुष्य निर्माण के तीर्थ बनें। इन संस्थानों में विद्यार्थियों के भीतर आत्मविश्वास, चरित्र, संवेदनशीलता और राष्ट्रभक्ति के संस्कार विकसित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने लिए तो सभी जीते हैं, लेकिन जो समाज और राष्ट्र के लिए जीवन समर्पित करता है, उसका जीवन वास्तविक अर्थों में सार्थक होता है।

ब्रिक्स की शानदार सफलता पर चिदंबरम देश से माफी मांगें-शांता कुमार

शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने ब्रिक्स बैठक की सफलता को भारत की बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि बताते हुए कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स बैठक की शानदार सफलता के बाद चिदंबरम को अपने बयान पर पुनर्विचार करते हुए पूरे देश से क्षमा मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विचारधाराओं और परस्पर विरोधी हितों वाले विश्व के बड़े देशों के नेताओं को भारत में एक मंच पर लाकर संवाद कराना अपने आप में असाधारण उपलब्धि है। शांता कुमार ने सोमवार को एक बयान में कहा कि भारत आज विश्व शांति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व में शांति कायम करने और देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी, लेकिन वर्तमान समय में दुनिया के सामने मौजूद अनेक संघर्षों और तनावों के बीच उसकी भूमिका और प्रभावशीलता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे दौर में भारत द्वारा विभिन्न देशों



को संवाद की मेज पर लाना एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स बैठक भारत में होने की खबर सामने आते ही कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा था कि इससे भारत को कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने सवाल किया था कि ऐसी बैठकों से आज तक भारत को एक भी लाभ हुआ है तो बताया जाए। शांता कुमार ने कहा कि इसके अगले ही दिन कांग्रेस नेता शशि थरूर ने इससे अलग राय व्यक्त करते हुए कहा कि जब विश्व के विरोधी विचारों वाले बड़े देशों के नेता भारत में एक साथ बैठेंगे और विचार-विमर्श करेंगे तो इसका भारत को लाभ होगा।

अगस्त में व्यापार घाटा घटकर 26.86 अरब डॉलर

सोने के आयात में कमी से कुल आयात दबाव कुछ कम हुआ। भारत का वस्तु व्यापार घाटा अगस्त में घटकर 26.86 अरब डॉलर रह गया, जो जुलाई में लगभग 31.98 अरब डॉलर था। अगस्त में वस्तु निर्यात करीब 43.81 अरब डॉलर और आयात 70.67 अरब डॉलर रहा। आयात में बदलाव के साथ सोने की खरीद में कमी ने व्यापार घाटे को सीमित करने में भूमिका निभाई। सेवा क्षेत्र का मजबूत प्रदर्शन भारत के समग्र बाहरी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है।

अगस्त में थोक महंगाई 9.92 प्रतिशत

ईंधन और बिजली कीमतों ने थोक कीमतों पर दबाव बढ़ाया। अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 9.92 प्रतिशत रही। ईंधन और बिजली क्षेत्र में महंगाई 22.93 प्रतिशत तथा खाद्य सूचकांक में 7.05 प्रतिशत दर्ज की गई। आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों और आपूर्ति व्यवधानों का असर घरेलू थोक कीमतों तक पहुंच रहा है। यदि ऊर्जा लागत लंबे समय तक ऊंची रहती है तो इसका प्रभाव उत्पादन, परिवहन और उपभोक्ता कीमतों पर भी पड़ सकता है।

हिंदी की प्रगति के लिए अन्य भारतीय भाषाओं का सम्मान और संरक्षण जरूरी-अमित शाह

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नवी मुंबई में कहा कि हिंदी की प्रगति तभी सार्थक होगी, जब वह अन्य भारतीय भाषाओं की गरिमा, संवर्धन और संरक्षण सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़े। उन्होंने हिंदी दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भारत की भाषाई विविधता को देश की ताकत बताया।

नवी मुंबई में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भारत की अनेक भाषाएं किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय भाषा का अपना इतिहास, लोक परंपरा और विश्वदृष्टि है, जो नई पीढ़ी के मूल्यों और दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषाई विविधता देश में विविधता में एकता की भावना को भी मजबूत करती है।



गृह मंत्री ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि किसी समाज की स्मृति और आत्म-जागरूकता भी होती है। हिंदी ने संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के रूप में विभिन्न वर्गों और समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमित शाह ने कहा, हिंदी की प्रगति तभी सार्थक होगी जब वह अन्य भारतीय भाषाओं की गरिमा, संवर्धन और संरक्षण सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि हिंदी को किसी एक भाषा

के प्रतिनिधि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे भारत की विभिन्न भाषाओं और राष्ट्रीय एकता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में समझने की जरूरत है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गुजराती उनकी मातृभाषा है, लेकिन हिंदी उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों से सीधे जुड़ने में मदद करती है। उन्होंने युवाओं से अपनी मातृभाषा से जुड़े रहने के साथ दुनिया से सीखने का आह्वान किया। साथ ही माता-पिता से बच्चों के साथ उनकी मातृभाषा में संवाद करने की अपील की। शाह ने कहा, भाषा ही वह माध्यम है जो हमें हमारी मातृभूमि, हमारी मिट्टी, हमारे इतिहास और हमारी संस्कृति से जोड़ती है। उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया था। इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

उज्जैन टाइम्स

महत्वपूर्ण खबरों के बारे में एक सम्यक दृष्टिकोण..
तेवर वही.. अंदाज़ नया!

News. No Noise. Just What Matters.

Ujjain Times – तेज़ खबरें, लेकिन बिना जल्दबाज़ी के।

Global
 Nation
 MP
 Ujjain
 Positive India

— जो जानना ज़रूरी है, वही।

Facts > Fake. Context > Clickbait.

रोज़ की ऐसी खबरें जो आपकी Timeline को smarter बनाएं।

+ Follow @UjjainTimes
— क्योंकि खबर सिर्फ देखनी नहीं, समझनी भी है।

www.ujjaintimes.in | @UJJAINTIMES



SECOND INNINGS TURF & FOOD PARK

1, Maxi Road, Nr. Pravah Petrol Pump, Ujjain (M.P.) 456010
For Booking Contact - 7879075463

SECOND INNINGS TURF

800 /-
PER
HOUR

CRICKET & FOOTBALL



@SECONDDINNINGSTURF

BOOK NOW : 7879075463

INDUSTRIAL AREA , MAXI ROAD

G.S. ACADEMY UJJAIN

MATH FOUNDATION

COURSE



- Special Course for
All 5th to 10th class student
- Enroll today because seats
are only 30
- Classes start from 1st
April 2024
- Duration 4 monts

Enroll Now

गौरव सर : 97136-53381,
97136-81837



MPEB बिजली विभाग मक्सी रोड आफिस गेट नंबर 3 के सामने वाली गली में साई रेडियम के
पास 3rd फ्लोर फ्रीगंज उज्जैन

खड़े हनुमान मंदिर को लेकर विवाद, विकास और आस्था का प्रश्न, सड़क चौड़ीकरण और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच मंदिर पर चर्चा तेज

उज्जैन। छत्री चौक स्थित खड़े हनुमान मंदिर को लेकर सड़क चौड़ीकरण और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के संदर्भ में चर्चा जारी रही। श्रद्धालुओं और धार्मिक संगठनों ने मंदिर से जुड़े किसी भी संभावित स्थानांतरण का विरोध किया।

प्रशासन की ओर से तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं के परीक्षण की बात सामने आई है। मामले में आगे की कार्रवाई तकनीकी रिपोर्ट, प्रशासनिक निर्णय और संबंधित पक्षों के विचारों पर निर्भर करेगी।

खड़े हनुमान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे

विवाद के बीच मंदिर क्षेत्र में धार्मिक गतिविधियां और जनभागीदारी बढ़ी। खड़े हनुमान मंदिर को लेकर चल रही चर्चा के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मंदिर क्षेत्र में पहुंचने की जानकारी सामने आई। घटनाक्रम ने मंदिर की धार्मिक और स्थानीय महत्ता को फिर सामने रखा। उज्जैन जैसे तीर्थ शहर में धार्मिक स्थलों के आसपास यातायात, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के साथ विकास योजनाओं का समन्वय महत्वपूर्ण है। सिंहस्थ-2028

को देखते हुए ऐसे विषयों का दीर्घकालिक समाधान आवश्यक होगा।

खड़े हनुमान प्रतिमा की जांच को लेकर IIT इंदौर ने स्थिति स्पष्ट की संस्थान ने प्रतिमा की जांच के लिए टीम भेजे जाने की खबर से इनकार किया। खड़े हनुमान प्रतिमा की संरचना या नींव की तकनीकी जांच को लेकर सामने आई खबरों के बाद IIT इंदौर की ओर से स्थिति स्पष्ट की गई। संस्थान ने कहा कि उसकी कोई टीम ऐसी जांच के लिए नहीं भेजी गई थी। घटनाक्रम ने संवेदनशील धार्मिक विषयों में आधिकारिक पृष्ठ के



बाद ही सूचना प्रकाशित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। प्रशासनिक स्तर पर आगे की प्रक्रिया की जानकारी महत्वपूर्ण रहेगी।

विपरीत धाराओं के मिलन का मौका बनी भारत की अध्यक्षता में हुई ब्रिक्स शिखर बैठक

नई दिल्ली। भारत की अगुवाई में 18 वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दुनिया में चल रहे तमाम टकरावों के परस्पर विरोधी पक्षों के बीच संवाद और कूटनीति की राह चुनने का मौका ले कर आया।

भारत की राजधानी नई दिल्ली में 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पश्चिम एशिया में संघर्षरत ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अलावा चीन और फिलीपींस तथा मिस्र और इथियोपिया के शीर्ष नेतृत्व मौजूद थे।

पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच ब्रिक्स सम्मेलन के इतर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अबूधाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच कल रात हुई मुलाकात को वैश्विक स्तर पर बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर इस द्विपक्षीय मुलाकात की पुष्टि की। पश्चिम एशिया संघर्ष भड़कने के बाद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच यह पहली बैठक थी। इसके अलावा चीन, फिलीपींस, मिस्र और इथियोपिया के नेताओं के बीच अनौपचारिक बातचीत हुई।

उल्लेखनीय है कि ईरान के राष्ट्रपति और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस के बीच यह बैठक उन खबरों के बीच हुई है जब ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से पारगमन के मुद्दे पर खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सदस्य देशों और इराक के साथ चर्चा की योजना बना रहा है। दोनों देशों के बीच तनाव का मुख्य कारण फारस की खाड़ी में स्थित तीन रणनीतिक द्वीपों-अबू मूसा, ग्रेटर तुंब और लेसर तुंब पर संप्रभुता का दशकों पुराना विवाद रहा है। इसके अलावा, इजराइल के साथ यूएई के रिश्तों के सामान्यीकरण (अब्राहम समझौता) और यमन के गृहयुद्ध में परस्पर विरोधी गुटों का समर्थन करने को लेकर भी दोनों के बीच क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। इस मुलाकात से आशा बंधी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में शांति और मालवाहक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही का रास्ता

खुलेगा।

कूटनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भारत की कूटनीतिक शैली की सबसे बड़ी ताकत उसकी बहु-संलग्नता की नीति बनकर उभरी है। रणनीतिक रूप से विरोधी देशों को एक ही मंच पर लाना और उनके बीच संवाद का अनुकूल वातावरण तैयार करना भारतीय विदेश नीति की प्रमुख पहचान बन चुका है। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भी यही स्थिति देखने को मिली, जहाँ परस्पर विरोधी हित और तीव्र क्षेत्रीय तनाव वाले कई देशों के शीर्ष नेता एक ही मेज पर आमने-सामने आए।

यह पहली बार नहीं है जब भारत ने वैश्विक तनाव के बीच ऐसा कूटनीतिक मंच तैयार किया हो। इससे पूर्व मार्च 2023 में 20 प्रति. विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान भी भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध के तीखे वैश्विक तनाव के बावजूद अमेरिकी विदेश मंत्री एंटीनी ब्लिंकन और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव को एक ही छत के नीचे लाकर अपनी कूटनीतिक तटस्थता और रणनीतिक संतुलन का

लोहा मनवाया था।

दक्षिण चीन सागर में जारी क्षेत्रीय तनाव के बीच चीन और फिलीपींस के शीर्ष नेतृत्व की ब्रिक्स मंच पर सह-उपस्थिति ने भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खींचा। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में फिलीपींस का प्रतिनिधित्व राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने किया, जिनके साथ विदेश सचिव मारिया थरेसा पी. लाज़ारो सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत पहुँचा। फिलीपींस ब्रिक्स का स्थाई सदस्य नहीं है, बल्कि उसने आउटरीच देश के रूप में और आसियान के अध्यक्ष के तौर पर सम्मेलन में शिरकत की। चीन और फिलीपींस के बीच मुख्य विवाद सेकंड थॉमस शोल और स्कारबोरो शोल जैसे जल क्षेत्रों पर संप्रभुता को लेकर है। चीन अपने नाइन-डैश लाइन मानचित्र के आधार पर लगभग संपूर्ण दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है, जबकि फिलीपींस 2016 के अंतरराष्ट्रीय पंचाट के फैसले का हवाला देकर चीन के इस दावे को खारिज करता आया है।

तेल की बढ़ती कीमतों से अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की संभावना

मॉस्को। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रिचर्ड बेन्सेल ने कहा है कि तेल की ऊँची कीमतों के कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरें बढ़ा सकता है।

रिया नोवोस्ती के साथ बातचीत में बेन्सेल ने कहा, तेल की कीमतें 100 प्रति बैरल या उससे ऊपर हैं और थोड़ी गिरावट के बावजूद इनके ऊँचे बने रहने की संभावना है, इसलिए फेडरल रिजर्व शायद ब्याज दरें बढ़ाएगा। यूरोपीय यूनियन और जापान द्वारा हाल ही में की गई बढ़ोतरी से फेडरल रिजर्व द्वारा दरें बढ़ाने की संभावना और भी बढ़ गई है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि कच्चे तेल की बहुत अधिक कीमतों का असर पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा और जिन

चीजों को फिजिकली ट्रांसपोर्ट करना पड़ता है, उन सभी पर महंगाई का दबाव बढ़ेगा।

उन्होंने समझाया, एक बार जब अर्थव्यवस्था खुदरा कीमतें बढ़ाकर इन दबावों के हिसाब से ढल जाती है, तो कच्चे तेल की कीमत कम होने पर भी उन्हें नीचे लाना मुश्किल होगा। फेडरल रिजर्व को अपनी मॉनेटरी पॉलिसी में इस बात को शामिल करना चाहिए।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण महंगाई का दबाव बने रहने का हवाला देते हुए यूरोपियन सेंट्रल बैंक ने गुरुवार को अपनी तीन मुख्य ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी की। अमेरिकी फेडरल रिजर्व अगले हफ्ते ब्याज दरों पर अपना फैसला लेने वाला है।

शाही मस्जिद से जुड़े सड़क चौड़ीकरण मामले में हाईकोर्ट का फैसला

उज्जैन। नगर निगम की कार्रवाई से जुड़ी दो याचिकाएं न्यायालय ने खारिज कीं। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने उज्जैन नगर निगम की ओर से जारी नोटिसों को चुनौती देने वाली दो याचिकाएं खारिज कर दीं। मामला सड़क को 15 मीटर चौड़ा करने के लिए शाही मस्जिद के एक हिस्से से जुड़ी कार्रवाई से संबंधित था। न्यायालय के फैसले को सड़क विकास और नगर निगम की कार्रवाई के कानूनी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। मामले में आगे की प्रशासनिक प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण होगी।



उज्जैन-देवास मार्ग पर हादसे में व्यक्ति की मौत

उज्जैन। तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने के बाद ग्रामीणों ने विरोध दर्ज कराया। उज्जैन-देवास मार्ग पर नरवर क्षेत्र के पास सड़क हादसे में 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई।

रिपोर्टों के अनुसार व्यक्ति को एक

तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मारी। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध किया। हादसे ने व्यस्त मार्गों पर गति नियंत्रण, सड़क सुरक्षा उपायों और दुर्घटना-प्रवण स्थानों की पहचान की आवश्यकता को फिर सामने रखा है।

UJJAIN TIMES
Time is insurmountable — कालो हि दुरतिक्रमः!

UJJAIN TIMES में जुड़ने का अवसर

उज्जैन जिले की सभी तहसीलों से **संवाददाताओं** की आवश्यकता

क्या आप अपने क्षेत्र की **सच्ची, महत्वपूर्ण** और **जनहित** से जुड़ी खबरों को प्रभावी ढंग से सामने लाना चाहते हैं?

Ujjain Times अपने समाचार नेटवर्क को तहसील स्तर तक मजबूत करने के लिए **Correspondents (संवाददाताओं)** को आमंत्रित करता है।

उपलब्ध क्षेत्र (तहसीलें)

- उज्जैन (Ujjain Urban)
- उज्जैन (Ujjain Rural)
- उज्जैन कोठी महल (Ujjain Kothi Mahal)
- घाटिया (Ghatiya)
- तराना (Tarana)
- माकड़ोना (Makdona)
- महिदपुर (Mehidpur)
- झारडा (Jharda)
- बडनगर (Badnagar)
- खाचरोड (Khachrod)
- नागडा (Nagda)
- उन्हेल (Unhel)

भूमिका

स्थानीय समाचार, जनसमस्याएं, प्रशासनिक गतिविधियां, सामाजिक घटनाएं एवं महत्वपूर्ण स्थानीय मुद्दों की तथ्यपरक और निष्पक्ष रिपोर्टिंग।

हम ऐसे लोगों की तलाश में हैं जो

- अपने क्षेत्र से अच्छी तरह परिचित हों
- निष्पक्ष एवं तथ्यपरक रिपोर्टिंग में विश्वास रखते हों
- स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से सामने ला सकें
- डिजिटल एवं सोशल मीडिया के माध्यम से समाचार साझा करने में सक्षम हों
- जनहित को अपनी प्राथमिकता मानते हों

इच्छुक अभ्यर्थी अपना संक्षिप्त परिचय, संबंधित तहसील/क्षेत्र एवं संपर्क विवरण भेजें।

UJJAIN TIMES
ManMohan Sharma | Chief Editor
98272 33734
Ujjaintimes@gmail.com

तेवर वही.. अंदाज़ नया! | Time is insurmountable — कालो हि दुरतिक्रमः!